राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस पर कृषि एवं कृषक कल्याण विषय पर हुई कार्यशाला

प्रोफेसर प्रशान्त चन्द महालनोबिस की स्मृति में दिनांक 29 जून, 2016 को दसवां राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय, योजना भवन, जयपुर में ''कृषि एवं कृषक कल्याण'' विषय पर हर्षोल्लास से मनाया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री अखिल अरोरा, शासन सचिव, आयोजना एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा की गई। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय के उप महानिदेशक श्री एस.एल.मैनारिया, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव श्री ओम प्रकाश बैरवा, एन.एस.एस.ओ. कार्यालय की निदेशक श्रीमती संतोष, आयोजना विभाग, राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय, विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों के प्रतिनिधियों तथा आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय में पदस्थापित अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा भाग लिया गया।

श्री अखिल अरोरा शासन सचिव, आयोजना ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में राज्य के विकास में सांख्यिकी विभाग के अधिकारियों के योगदान की सराहना करते हुए यह आवश्यकता प्रतिपादित की कि सांख्यिकी का महत्व तभी है, जब सही समय पर विश्वसनीय समंक योजना निर्माण एवं नीति–निर्धारण में उपलब्ध हो। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि ट्रांजेक्शनल डेटा का विश्लेषण कर रियल टाईम एनालिटिकल रिपोट्स जारी की जावे, जिससे राजकीय सेवाओं का लाभ आमजन को सही समय पर पहुँचाने में मदद मिलेगी। साथ ही उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि विभिन्न विभागों में उपलब्ध डेटा का विश्लेषण कर आमजन को समय पर एडवाईज़री जारी की जावे ताकि प्राकृतिक आपदाओं, तकनीकी कारणों एवं अन्य प्रशासनिक बाधाओं के कारण होने वाले लाभों की क्षति को न्यूनतम किया जा सके। प्रत्येक विभाग अपने की–परफोरमेंस इंडिकेटर(के.पी.आई.) में सांख्यिकी के माध्यम से होने वाले सुधारों का समावेश करे।

उप महानिदेशक, एन.एस.एस.ओ. द्वारा श्री पी.सी.महालनोबिस का जीवन परिचय दिया एवं देश में सांख्यिकी के विकास में उनके योगदान पर एक डॉक्यूमेंट्री भी प्रदर्शित की गई। निदेशक, आर्थिक एवं सांख्यिकी ने अपने स्वागत उद्बोधन में राज्य में विगत वर्षों के दौरान सांख्यिकी के क्षेत्र में हुए विकास के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए राज्य में रियल टाईम स्टेटिस्टिक्स सृजित करने, सांख्यिकी के सृजन एवं आमजन के उपयोग हेतु समय पर उपलब्धता, सांख्यिकी में आई.टी. के बढ़ते उपयोग एवं विभाग प्रकाशनों में नवीनतम तकनीक यथा– मोबाईल ऐप, ई–पब्लिकेशन, डेटा रिट्रीवल, डेटा आर्काईव की दिशा में किये गये प्रयास की विस्तार से जानकारी दी ।

इस अवसर पर कोस्ट ऑफ कल्टीवेशन एण्ड फार्मर वेलफेयर, ''ए क्रिटिकल रिव्यू ऑन फार्मर्स वेलफेयर पॉलिसीज़ ऑन गवर्नमेंट'', ''एग्रीकल्चर एण्ड कन्डीशन ऑफ इण्डियन फार्मर'', भामाशाह योजना, ''हाऊ बिग डेटा केन रिड्यूस द इफेक्ट ऑफ क्लाईमेट चेंज'', ''राजस्थान में कृषि सांख्यिकी'' तथा ''अवेलेबिलिटी ऑफ सरफेस वाटर एण्ड यूटिलाईजेशन'' विषय पर प्रस्तुतिकरण के माध्यम से विभिन्न शोध अध्ययनों एवं कृषि एवं कृषक कल्याण पर केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तार से जानकारी दी गई।